Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

**Paper Code**
**MD-401**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination May – 2018**

**M. A. Philosophy (Semester: Fourth)**

**Philosophy**

**सांख्य योग दर्शन – 4**

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## खण्ड–अ
## (दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. चित्त में रहने वाली वासनाएं अनादि हैं यह कैसे माने? और यदि अनादि है तो फिर नित्य भी होगी। अतः इनका अभाव कैसे होगा? सप्रमाण विस्तृत व्याख्या करें।
2. धर्ममेध समाधि की प्राप्ति कैसे होती है तथा धर्ममेघ समाधि का स्वरूप क्या है? इस समाधि के पश्चात् क्या फल घटित होता है?
3. क्षण और उसके क्रम में संयम करने से विवेक ज्ञान का लाभ होता है, यह 'क्रम' क्या है? भाष्यानुसार विस्तृत व्याख्या करें।
4. साख्य दर्शन के अनुसार वेद नित्य हैं या अनित्य अथवा पौरुषेय हैं या अपौरुषेय? प्रामाणिक व्याख्या कीजिए।
5. असंग आत्मा में विषयों का उपराग कैसे हो जाता है तथा उनको निरोध किस उपाय से करें। सप्रमाण व्याख्या करें।

## खण्ड–ब
## (लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. योग दर्शन के चतुर्थ पाद में कितने प्रकार की व कौन–सी सिद्धियों का वर्णन किया गया है?
2. चतुर्थ पाद में कितने प्रकार के कौन–कौन से कर्मों का वर्णन किया गया है? हमें किन कर्मों को हेय तथा किन कर्मों को उपादेय मानना चाहिये?
3. आत्मभाव – भावना क्या है तथा उसकी निवृत्ति कैसे होती है?
4. प्रतिप्रसव योग या कैवल्य योग को प्रमाणपूर्वक समझायें।

5. जब प्रकृति और पुरुष के भेद ज्ञान से ही मोक्ष हो जाता है तो लौकिक – वैदिक शुभ कर्मों के आचरण की क्या आवश्यकता है?
6. "मुक्तिः अन्तरायध्वस्तेर्न परः" इस सूत्र की व्याख्या करें।

## खण्ड–स
## (अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पॉच (05) अतिलघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

**(5×1=05)**

1. योग दर्शन में कुल कितने सूत्र हैं?
2. सांख्य दर्शन में कुल कितने सूत्र व अध्याय हैं?
3. जात्यान्तर परिणाम क्या है?
4. सांख्य दर्शन का अन्तिम सूत्र क्या है और उसका क्या अर्थ है?
5. 'कर्म वैचित्र्यात् सृष्टि वैचित्र्यम" इस सूत्र का अर्थ लिखें।

----------x----------